Publication	Navbharat				
Language	Nagpur	Place	Nagpur	Date	12/11/16

नए प्रयोग करें किसान

व्यापार प्रतिनिधि

नागपुर. एग्रो विजन के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि आज के दौर में कृषि बिना जानकारी के नहीं की जा सकती. किसानों को नई तकनीक को समझना होगा. किसानों को नए प्रयोग के लिए तैयार रहना होगा. राज्य में 82 प्रश खेती असिंचित है. जलयुक्त शिवार के माध्यम से खेतों में पानी पहुंचाने के प्रयास किए गए. राज्य में 30 दिन पानी नहीं गिरने के बावजूद कुओं, तालाबों में पानी का अच्छा जलस्तर है. ठिंबक सिंचन के लिए भी नई योजना बनाई जा रही है. राज्य में 1 लाख कुओं का हमने टार्गेट रखा था. डेढ़ साल में 50,000 कुएं पूरे हो गए.

इससे पूर्व फडणवीस, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, राज्य के वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, कृषि मंत्री पांडुरंग फुंडकर, पशु संवर्धन मंत्री महादेव जानकर की उपस्थिति में एग्रोविजन का विधिवत उद्घाटन किया गया.

पश्चिम महाराष्ट्र से गन्ने के एक्सपर्ट को बुलाकर हमने किसानों को प्रशिक्षण दिया. उन्होंने कहा कि विदर्भ में दूध उत्पादन बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं. इसे दुगुना करने का चैलेंज स्वीकारना होगा. विदर्भ व मराठवाड़ा में भी गुजरात की तर्ज पर श्वेत क्रांति के लिए एनडीटीबी की मदद ली जा रही है.

इस अवसर पर असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा, हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनकर, महिंद्रा राइज के सीईओ हरीश चव्हाण, आईसीटी के सीईओ संजीव पुरी, महापौर प्रवीण दटके, जिप अध्यक्ष निशा सावरकर, सांसद अजय संचेती, कृपाल तुमाने, डा. विकास महात्मे, संजय धोत्रे, आयोजन समिति के सी.डी. मायी, रवि बोरटकर, रमेश मानकर, गिरीश गांधी उपस्थित थे.

अब प्रोफेशनल तरीके से खेती जरूरी

हरियाणा के कृषि मंत्री धनकर का मत

देश का एक छोटा सा प्रदेश हरियाणा कृषि, जवान और खेल में स्थापित नाम बन चुका है. हम देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी आगे हैं. देश के कुल उत्पादन का 13 फीसदी खाद्यान्न हरियाणा में पैदा होता है. इसलिए हरियाणा की ओर हर कोई देखता है. हमें अपनी जिम्मेदारी मालूम है, परंतु अब कई चुनौतियां सामने आ रही हैं. जमीन की उर्वरता, पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है. इसलिए हमें अब इन चुनौतियों को दूर करने के लिए गैर पारंपरिक तरीकों पर जोर देना होगा. साथ में बायोफ्यूल की ओर बड़े पैमाने पर काम करने होंगे. उक्त विचार हरियाणा के कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनकर ने 'नवभारत' से बात करते हुए व्यक्त किए. एग्रो विजन प्रदर्शनी में आये धनकर ने 'नवभारत' से चर्चा के दौरान कहा कि हरियाणा के पास महज 90 लाख एकड़ जमीन है, जिसमें से 20 लाख एकड़ जमीन पर ही खेती होती है. हरियाणा 13 करोड़ क्विंटल धान, 60 लाख क्विंटल चीनी, 2.26 करोड़ लीटर दूध की पैदावार लेते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से हमें लग रहा है पारंपरिक खेती से काम बनने वाला नहीं है.

तकनीक का अधिकतम उपयोग

धनकर ने कहा कि अब पारंपरिक खेती से काम चलने वाला नहीं है, क्योंकि चुनौतियां ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं. हमें अधिक से अधिक तकनीक का प्रयोग करना होगा ताकि पानी और मिट्टी जैसी समस्याओं को रोका जा सके. मिट्टी उर्वरता खोती जा रही है और पानी खत्म होता जा रहा है. ये ऐसी चीजें हैं, जिसका संवर्द्धन नहीं किया गया, तो दोबारा मिलना मुश्किल है. हरियाणा सरकार इस दिशा में बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रही है. किसानों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि वे पिछले 4 वर्षों से एग्रो विजन में आते हैं, इससे उन्हें काफी लाभ मिलता है. प्रदर्शनी की उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा की.

ई-चौपाल से किसान हो रहे समृद्ध

ITC लि. के CEO संजीव पुरी ने कहा

देश के प्रमुख औद्योगिक समूह आईटीसी लि. कृषि और फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रही है. हाईटेक तकनीक का उपयोग कर किसानों को समृद्ध करने का काम आईटीसी की एग्रो विभाग कर रही है. कंपनी की पहुंच अब तक 5 मिलियन किसानों तक हो चुकी है. विदर्भ के 4 लाख किसानों का भी मार्गदर्शन किया जा रहा है. उक्त विचार आईटीसी लि. के सीईओ संजीव पुरी ने 'नवभारत' से चर्चा करते हुए व्यक्त किए.

पुरी ने कहा कि जब देश में आईटी की शुरुआत हुई थी तब कंपनी ने ग्रामीण भागों को मजबूती प्रदान करने की ठानी थी. अब यह नेटवर्क 6100 तक पहुंच चुका है. राज्य में 931 ई-चौपाल कार्यरत हैं. विदर्भ के 4 लाख किसान इन योजना से लाभ ले रहे हैं. उन्होंने कहा कि कृषि से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराना और बाद में उनके कृषि उपज खरीदने की जिम्मेदारी कंपनी उठा रही है. किसानों का विश्वास जीतने के बाद ही हम आगे बढ़ते जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि हम किसानों को जमीन, बीज, फसल, कीमत, मौसम की अत्याधुनिक जानकारी ई-चौपाल के जरिए देते हैं. विश्व में किस चीज की मांग अधिक है और क्या कीमत मिल रही है, यह बताते हैं. इससे किसान जागरूक होता है. जो किसान हमें माल बेचना चाहते हैं, उनसे हम माल भी खरीदते हैं.

50,000 हेक्टेयर में रेन हार्वेस्टिंग

आईटीसी अपने दम पर 50,000 हेक्टर भूमि में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का काम कर रही है. इसी प्रकार 1.28 हेक्टेयर जमीन में जमीन की उर्वरता शक्ति बढ़ाने की परियोजना हाथ में ली गई है. इससे हजारों किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा. विदर्भ में भी 230 एकड़ जमीन भूमि में काम चल रहा है. कंपनी का मकसद किसानों की आत्मनिर्भरता बढ़ाना है. उनका कहना है कि कंपनी कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में कार्यरत है. इसलिए हमें किसानों से प्रत्यक्ष संबंध बनाये रखना पड़ता है. इससे दोनों को लाभ होता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा है, यह तभी संभव है, जब तकनीक को अपनाकर, वैज्ञानिक तरीके से कृषि करनी होगी.

संपन्न किसान ही महिंद्रा का ब्रिद : चव्हाण

समृद्ध किसान का ब्रिद लेकर ही महिंद्रा आगे बढ़ रही है. किसानों का विकास ही हमारा उद्देश्य है. महिंद्रा राइज फार्म डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश चव्हाण ने बताया कि तकनीक का इस्तेमाल कर किसान कम से कम खर्च में ज्यादा पैदावार कर सके इसके लिए कंपनी काम कर रही है. उन्होंने बताया कि महिंद्रा का 585 डीआई ट्रैक्टर भी इसी कल्पना के साथ बनाया गया है. इसमें ईंधन की खपत कम होती है. इंजन लंबे समय तक चलता है. एक तरह से इसे किसानों की अनेक पीढ़ियों का साथी कहा जाए तो गलत नहीं होगा. कंपनी मिट्टी की लेवलिंग, फसल कटाई, धान ट्रांसप्लांटर, गन्ना तुड़ाई आदि के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराती है. प्रोविंशियल ट्रैक्टर्स के अरुण अग्रवाल उपस्थित थे.